या यंत्र आदि अचल पूँजी लगाई जाती है उनकी एक निश्चित आयु होती है उत्पादन के कार्य में इनको बार-बार प्रयोग करने से इनमे घिसावट आती है और कुछ समय के बाद ये कार्य के लायक नहीं होते हैं अतः इनको बदलने के लिए प्रतिवर्ष साहसी कुल लाभ में से एक छोटी सी रकम निकाल कर एक अलग कोष में रख देता है जिससे इनकी आयु समाप्त होने के बाद उसी से अचल पूँजी प्राप्त की जा सके अतः कुल लाभ में से मशीन आदि अचल पूँजी की घिसावट का व्यय भी सम्मिलित रहता है

(घ) आकस्मिक लाभ - कभी-कभी अत्यन्त अनुकूल परिस्थितियों के कारण भी साहसी को कुछ आकस्मिक या अतिरिक्त लाभ प्राप्त हो जाता है, द्वितीय महायुद्ध के समय मूल्य में अत्यधिक वृद्धि के कारण इस प्रकार का बहुत-सा लाभ उत्पादकों को प्राप्त हुआ था

अतः कुल लाभ में से मशीन आदि अचल पूँजी की घिसावट का व्यय भी सम्मिलित रहता है

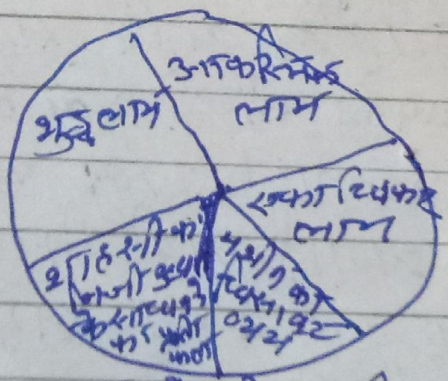

Dr. R. N. Tiwari
Associate professor Dept of Economics
A. N. P. College Shahpur Patory.

Dated - 03.4.2020